घटिया सामग्री, तकनीकी अनियमितताओं और गुणवत्ता पर उठे गंभीर सवाल, आदिवासी छात्र-छात्राओं के लिए बन रहे छात्रावास व गर्ल्स हॉस्टल में मानकों की अनदेखी के आरोप

करोड़ों का सांदीपनी छात्रावास निर्माण सवालों के घेरे में!

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

आदिवासी छात्र-छात्राओं को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तामिया मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल परिसर में करोड़ों रुपये की लागत से छात्रावास एवं गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण कराया जा रहा है। निर्माण कार्य की कार्यकारी एजेंसी पुलिस हाउसिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन बताई जा रही है। लेकिन निर्माण की गुणवत्ता को लेकर अब गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि शुरुआत से ही तकनीकी मानकों की अनदेखी की जा रही है, जिससे करोड़ों की यह परियोजना भ्रष्टाचार और घटिया निर्माण की भेंट चढ़ती दिखाई दे रही है।ग्रामीणों का कहना है कि भवनों के फाउंडेशन निर्माण में निर्धारित तकनीकी मापदंडों का पालन नहीं किया गया। निर्माण स्थल पर उपयोग की जा रही रेत धूलयुक्त दिखाई देती है, जबकि गिट्टी भी निर्धारित आकार की नहीं होने के कारण गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। निर्माण में उपयोग किए जा रहे सरिया (लोहे) को लेकर भी आपत्ति जताई गई है। आरोप है कि बरसात के दौरान खुले में पड़े रहने से सरिया पर जंग लग चुकी थी और उसका रंग तक बदल गया, इसके बावजूद उसी सामग्री का उपयोग निर्माण में किया जा रहा है।

शासकीय संपत्ति और पर्यावरण को भी पहुंची कथित क्षति

ग्रामीणों का आरोप है कि छात्रावास निर्माण के लिए परिसर में स्थित शासकीय संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचाया गया। भूमि विवाद के कारण निर्माण कार्य लंबे समय तक अटका रहा, जिसके बाद कथित रूप से नियमों की अनदेखी करते हुए हरे-भरे पेड़ों की कटाई कर दी गई और पीएचई विभाग की पेयजल टंकी भी ध्वस्त कर दी गई। आरोप है कि यह सब स्कूल प्रबंधन और संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत से हुआ, जिससे पर्यावरण और सरकारी संपत्ति दोनों को नुकसान पहुंचा।

तकनीकी निगरानी पर उठे सवाल

निर्माण स्थल का निरीक्षण करने वाले ग्रामीणों का कहना है कि कॉलम खड़े करने के लिए की गई खुदाई निर्धारित गहराई और चौड़ाई से कम प्रतीत होती है। इससे भवन की मजबूती को लेकर आशंका जताई जा रही है। वहीं कंक्रीट निर्माण में भी गुणवत्ता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि जहां वर्तमान में छोटे-छोटे पंचायत भवनों में भी आधुनिक कंक्रीट मिक्सिंग व्यवस्था अपनाई जाती है, वहीं यहां गुणवत्ता नियंत्रण के पर्याप्त उपाय दिखाई नहीं दे रहे।

प्रयोगशाला नहीं, गुणवत्ता की निगरानी कैसे?

स्थानीय लोगों का दावा है कि निर्माण सामग्री की जांच के लिए स्थल पर किसी प्रकार की फील्ड लेबोरेटरी स्थापित नहीं की गई है। ऐसे में सीमेंट, कंक्रीट और अन्य सामग्री की गुणवत्ता का परीक्षण कैसे हो रहा है, यह बड़ा सवाल है। निर्माणाधीन एक भवन स्लैब स्तर तक पहुंच चुका है, लेकिन उसमें लगाए जा रहे खिड़की-दरवाजों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि मानक एल्यूमिनियम या निर्धारित गुणवत्ता की सामग्री के स्थान पर साधारण वेल्डिंग से तैयार फ्रेम लगाए जा रहे हैं। कई स्थानों पर खिड़कियों का लेवल भी दीवार से असमान दिखाई देता है, जबकि उनमें प्रयुक्त लोहे की छड़ें भी दोयम दर्जे की बताई जा रही हैं।

कंसल्टेंसी और तकनीकी अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल

ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य की निगरानी करने वाली कंसल्टेंसी और विभागीय तकनीकी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन गंभीरता से नहीं कर रहे हैं। उनका कहना है कि यदि नियमित निरीक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन होता, तो इतनी बड़ी संख्या में गुणवत्ता संबंधी सवाल सामने नहीं आते। लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य में ठेकेदार को मनमानी की खुली छूट दी गई है।

भौतिक सत्यापन और क्यूब टेस्ट की मांग

ग्रामीणों ने मांग की है कि निर्माण कार्य का स्वतंत्र भौतिक सत्यापन कराया जाए तथा कंक्रीट के क्यूब टेस्ट और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच किसी स्वतंत्र शासकीय संस्था, जैसे पॉलिटेक्निक कॉलेज या अधिकृत प्रयोगशाला से कराई जाए। उनका कहना है कि यदि निर्माण के शुरुआती चरण में ही जांच कराई गई तो वास्तविक स्थिति सामने आ जाएगी और भविष्य में सरकारी धन की बर्बादी रोकी जा सकेगी।

जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार का 'जलजाल'!

पाइपलाइन से लेकर पेयजल टंकी तक सवालों के घेरे में, स्कूल के बच्चे बूंद-बूंद पानी को तरसे, तामिया क्षेत्र में उपयंत्री पर गंभीर आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

केंद्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना का उद्देश्य हर घर तक सुरक्षित पेयजल पहुंचाना है, लेकिन परासिया पीएचई उपखंड के तामिया क्षेत्र में यही योजना कथित तौर पर भ्रष्टाचार और लापरवाही की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। क्षेत्र में पाइपलाइन बिछाने से लेकर पेयजल टंकियों के निर्माण तक कई गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार उपयंत्री ने निर्माण कार्यों का मापदंडों के अनुरूप निरीक्षण किए बिना ही ठेकेदार को पूरा भुगतान कर दिया, जिससे सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका गहरा गई है।

ग्रामीणों के अनुसार जल जीवन मिशन के तहत कई स्थानों पर पाइपलाइन की खुदाई निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप नहीं की गई। जहां नियमानुसार गहराई और गुणवत्ता का पालन किया जाना था, वहां कथित रूप से सतही खुदाई कर पाइपलाइन डाल दी गई। आरोप है कि इसके बावजूद उपयंत्री ने निर्माण कार्य का पूर्ण मूल्यांकन कर भुगतान जारी कर दिया। इतना ही नहीं, खुदाई के दौरान निकली सामान्य मिट्टी को दस्तावेजों में मुरम दर्शाकर ठेकेदार को कथित रूप से अतिरिक्त आर्थिक लाभ पहुंचाने का भी आरोप लगाया जा रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में बन रही कई पेयजल टंकियों के निर्माण की गुणवत्ता भी सवालों के घेरे में है। कई जगह निर्माण कार्य में तकनीकी मानकों की अनदेखी साफ दिखाई देती है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई करने के बजाय चुप्पी साधे हुए हैं। आरोप है कि उपयंत्री को विभाग के उच्च अधिकारियों, विशेषकर कार्यपालन यंत्री और उपसंभागीय अधिकारी (एसडीओ) का संरक्षण प्राप्त होने के कारण शिकायतों पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही। इसी कारण योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और गुणवत्ता दोनों प्रभावित हो रही हैं।

केवल निर्माण कार्य ही नहीं, बल्कि क्षेत्र की पेयजल व्यवस्था भी उपयंत्री की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर रही है। कुछ दिन पहले मस्जिद के सामने स्थित हैंडपंप खराब होने के बाद स्थानीय लोगों को कई बार शिकायत करनी पड़ी। लगातार आग्रह के बाद कहीं जाकर हैंडपंप की मरम्मत की गई। ग्रामीणों का कहना है कि यदि एक सार्वजनिक हैंडपंप को सुधारने में इतनी देरी हो सकती है, तो दूरस्थ क्षेत्रों की स्थिति का सहज अनुमान लगाया जा सकता है।

सबसे चिंताजनक स्थिति स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों की है। तामिया क्षेत्र के कई शैक्षणिक संस्थानों में लगे हैंडपंप लंबे समय से खराब पड़े हैं, जिससे छात्र-छात्राओं को पीने के पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। एकीकृत माध्यमिक शाला प्रतापगढ़ बादला इसका बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है। यहां पहली कक्षा से लेकर मिडिल स्कूल तक के 100 से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, लेकिन विद्यालय परिसर में लगा एकमात्र हैंडपंप लंबे समय से बंद पड़ा है। नतीजतन बच्चों को पीने के पानी के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

विद्यालय के शिक्षकों का कहना है कि समस्या केवल हैंडपंप खराब होने की नहीं है, बल्कि शिकायत दर्ज कराने की व्यवस्था भी पूरी तरह अस्त-व्यस्त है। उनका आरोप है कि पीएचई विभाग के उपयंत्री अथवा अन्य अधिकारियों का मोबाइल नंबर या संपर्क विवरण कहीं भी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित नहीं किया गया है। ऐसे में शिकायत किससे की जाए और समस्या किसे बताई जाए, यह भी स्पष्ट नहीं है। कई बार मौखिक रूप से जानकारी देने के बाद भी समय पर कार्रवाई नहीं होती।

ग्रामीणों का कहना है कि जल जीवन मिशन जैसी महत्वपूर्ण योजना में यदि गुणवत्ता से समझौता किया जाएगा और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय नहीं होगी, तो सरकार का उद्देश्य कभी पूरा नहीं हो सकेगा। लोगों ने मांग की है कि पाइपलाइन बिछाने, पेयजल टंकी निर्माण और भुगतान प्रक्रिया की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराई जाए। साथ ही संबंधित अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

क्षेत्रवासियों ने यह भी मांग उठाई है कि सभी स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और सार्वजनिक स्थानों पर लगे खराब हैंडपंपों की तत्काल मरम्मत कराई जाए तथा पीएचई विभाग के अधिकारियों के संपर्क नंबर प्रत्येक पंचायत, स्कूल और सार्वजनिक स्थल पर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित किए जाएं, ताकि आम नागरिकों को पेयजल संबंधी शिकायत दर्ज कराने में परेशानी न हो।

सांदीपनि सौंसर में विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

सौंसर। गुरुपूर्णिमा पखवाड़ा के अंतर्गत शुक्रवार को शासकीय सांदीपनि विद्यालय, सौंसर में स्थानीय शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं शासकीय हाईस्कूल जाम के विद्यार्थियों के लिए एक विशेष शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने आधुनिक शिक्षण व्यवस्था और स्कूल की अधोसंरचना को करीब से देखा। इस शैक्षणिक भ्रमण में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सौंसर की 32 छात्राओं एवं शासकीय हाईस्कूल जाम के 25 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों के साथ शिक्षक राजेंद्र डोंगरे, शकुंतला कमाले, निकेत लोहे,संदीप बनाइत एवं संध्या चौकसे उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती शैलजा बत्रा ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए विद्यालय में संचालित शिक्षण प्रक्रिया और अत्याधुनिक अधोसंरचना की विस्तृत जानकारी प्रदान की। इसके बाद उप-प्राचार्य संजय गवनेकर और शिक्षक शेषराव ने विद्यार्थियों को विद्यालय परिसर का भ्रमण कराया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने के.जी.-1 से कक्षा 12वीं तक की कक्षाओं के साथ-साथ विज्ञान प्रयोगशालाएं भौतिक, रसायन एवं जीवविज्ञान लैब,तकनीकी एवं कौशल विकास, कंप्यूटर कक्ष एवं व्यावसायिक कक्ष,सांस्कृतिक गतिविधियाँ, संगीत एवं नृत्य कक्ष,विद्यालय का विशाल बहुउद्देश्यीय हॉल आदि देखा,अपने शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थी काफी आनंदित और उत्साहित नजर आए।

पर्याप्त बारिश नहीं, पीली पड़ने लगी मक्के की फसल, किसानों की बढ़ी चिंता

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

जिले में इस वर्ष अब तक सामान्य से काफी कम वर्षा होने के कारण किसानों की चिंता बढ़ गई है। 18 जुलाई तक जिले में औसतन 300.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि तक 440.7 मिमी बारिश हो चुकी थी। यानी इस बार अब तक करीब 140 मिमी कम वर्षा होने से खरीफ फसलों पर प्रतिकूल असर दिखाई देने लगा है।सबसे अधिक चिंता मक्के की फसल को लेकर है। खेतों में नमी की कमी के कारण कई स्थानों पर मक्के की फसल पीली पड़ने लगी है। किसानों का कहना है कि समय पर अच्छी बारिश नहीं हुई तो उत्पादन पर गंभीर असर पड़ सकता है। जिन किसानों ने उधार लेकर बीज, खाद और अन्य कृषि सामग्री खरीदी है, वे सबसे अधिक परेशान हैं। लगातार बारिश नहीं होने से खेतों में पर्याप्त नमी नहीं बन पा रही है, जिससे पौधों का विकास रुकने लगा है।कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि मक्के की फसल के शुरुआती विकास के लिए लगातार और पर्याप्त वर्षा आवश्यक होती है। यदि अगले कुछ दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो फसल की बढ़वार प्रभावित होगी और पैदावार में गिरावट आने की आशंका है। जिले के कई गांवों में किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए बारिश का इंतजार कर रहे हैं।भू-अभिलेख विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों में जिले में औसतन 5.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जो फसलों के लिए पर्याप्त नहीं मानी जा रही है। इस दौरान चौरई में 15 मिमी, अमरवाड़ा में 10.2 मिमी और हर्रई में 9 मिमी वर्षा हुई, जबकि अन्य तहसीलों में हल्की बारिश दर्ज की गई।किसानों ने प्रशासन और कृषि विभाग से फसलों की स्थिति का सर्वे कराने तथा आवश्यकता पड़ने पर राहत और तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की मांग की है। मौसम विभाग की आगामी बारिश की संभावना पर अब जिले के हजारों किसानों की उम्मीदें टिकी हुई हैं।

कलेक्टर वशिष्ठ के प्रयास से हिमांशु को मिली नई जिंदगी

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत स्पाइनल डिफॉर्मिटी का सफल ऑपरेशन, परिवार ने जताया आभार

छिंदवाड़ा। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की सतत मॉनिटरिंग तथा कलेक्टर श्री नीरज कुमार वशिष्ठ के विशेष प्रयासों से स्पाइनल डिफॉर्मिटी (रीढ़ की विकृति) से पीड़ित 13 वर्षीय हिमांशु धुर्वे का सफल ऑपरेशन कर उसे नया जीवन मिला है। इस पूरी प्रक्रिया में अतिरिक्त कलेक्टर श्री नीलमणि अग्निहोत्री एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्रीमती अल्का एक्का द्वारा भी लगातार मॉनिटरिंग एवं आवश्यक सहयोग प्रदान किया गया।

ग्राम रायबासा, विकासखंड पांढुर्णा निवासी हिमांशु धुर्वे लंबे समय से रीढ़ की गंभीर समस्या से पीड़ित था। प्रारंभिक उपचार हेतु उसे सिविल अस्पताल पांढुर्णा में अस्थिरोग विशेषज्ञ डॉ. नीलेश धाडसे को दिखाया गया, जहां से आरबीएसके टीम द्वारा आवश्यक जांच कर जिला अस्पताल छिंदवाड़ा के डीआईसी केंद्र भेजा गया। विशेषज्ञ परीक्षण के बाद मरीज को नेक्स्ट ओपिनियन के लिए एम्स नागपुर रेफर किया गया। वहां पीडियाट्रिक स्पाइनल सर्जन उपलब्ध नहीं होने के कारण उसे एम्स नई दिल्ली भेजने की सलाह दी गई, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने से दिल्ली ले जाना संभव नहीं था।

मामले की जानकारी मिलते ही कलेक्टर श्री नीरज कुमार वशिष्ठ ने तत्काल संज्ञान लेते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी उपलब्ध मद से उपचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। निर्देशों के पालन में आरबीएसके टीम द्वारा हिमांशु को पाढर अस्पताल, जिला बैतूल भेजा गया, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा आवश्यक जांच की गई। इसके बाद वेल्लोर (चेन्नई) के प्रसिद्ध पीडियाट्रिक स्पाइनल सर्जन डॉ. केनी डेविड से समन्वय स्थापित कर ऑपरेशन की तिथि प्राप्त की गई।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 4 जुलाई 2026 को हिमांशु को पाढर अस्पताल में भर्ती कराया गया तथा सभी आवश्यक जांच सामान्य पाए जाने के बाद 8 जुलाई 2026 को डॉ. केनी डेविड द्वारा स्पाइनल डिफॉर्मिटी करेक्शन का सफल ऑपरेशन किया गया। वर्तमान में हिमांशु का स्वास्थ्य लगातार बेहतर हो रहा है। उपचार की सफलता पर उसके माता-पिता एवं परिजनों ने कलेक्टर श्री नीरज कुमार वशिष्ठ, स्वास्थ्य विभाग, आरबीएसके टीम तथा उपचार में सहयोग करने वाले सभी चिकित्सकों एवं अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय पर मिले सहयोग एवं समुचित उपचार से उनके पुत्र को नया जीवन मिला है।

चार महीने में उखड़ने लगी चौरई-चांद सीसी रोड, जनता के करोड़ों रुपये से बनी सड़क बारिश नहीं झेल सकी

बारिश में करोड़ों की सड़क की खुली पोल!, निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ चौरई

विकास के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च कर बनाई गई चौरई-चांद मार्ग की सीसी सड़क पहली ही बारिश में सवालों के घेरे में आ गई है। जिस सड़क को वर्षों तक टिकाऊ और मजबूत होने का दावा किया गया था, वह निर्माण के महज चार महीने बाद ही जगह-जगह से उखड़ने लगी है। सड़क की ऊपरी परत टूटने और कंक्रीट निकलने की तस्वीरें अब निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि नई सड़क पहली ही बरसात का सामना नहीं कर पा रही है, तो करोड़ों रुपये खर्च करने का औचित्य क्या है?स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क का निर्माण रीवा की उदीत इंफ्रा द्वारा किया गया था। निर्माण के दौरान गुणवत्ता और तकनीकी मानकों का पालन किए जाने के दावे किए गए थे, लेकिन पहली ही मानसूनी बारिश के बाद सड़क की वास्तविक स्थिति सामने आने लगी। सड़क की ऊपरी सतह कई स्थानों पर उखड़ चुकी है, जिससे यह आशंका गहरा गई है कि निर्माण कार्य में कहीं न कहीं गंभीर लापरवाही हुई है।

चार महीने में ही क्यों टूटने लगी सड़क?

सीसी सड़क का निर्माण सामान्यतः वर्षों तक बिना किसी बड़े नुकसान के चलने के उद्देश्य से किया जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि निर्माण निर्धारित मानकों के अनुरूप हो, उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग किया गया हो और कंक्रीट को पर्याप्त समय तक क्योरिंग (पानी देकर मजबूती देने) की प्रक्रिया से गुजारा गया हो, तो सड़क इतनी जल्दी खराब नहीं होती। ऐसे में निर्माण के महज चार महीने बाद ही सड़क की सतह उखड़ना कई सवाल खड़े करता है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सड़क को देखकर ऐसा नहीं लगता कि इसका निर्माण हाल ही में हुआ है। जगह-जगह कंक्रीट उखड़ने से सड़क पर गड्ढे बनने लगे हैं, जिससे वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यदि समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई तो आने वाले दिनों में सड़क की स्थिति और अधिक खराब हो सकती है।

करोड़ों की लागत, लेकिन गुणवत्ता पर सवाल

लोगों का आरोप है कि सड़क निर्माण पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन गुणवत्ता से समझौता किया गया। यदि निर्माण सामग्री निर्धारित मानकों के अनुरूप होती और कार्य की नियमित तकनीकी निगरानी होती, तो नई सड़क इतनी जल्दी क्षतिग्रस्त नहीं होती। क्षेत्रवासियों का कहना है कि सरकारी धन से बनने वाले विकास कार्यों में जनता बेहतर गुणवत्ता की उम्मीद करती है, लेकिन सड़क की मौजूदा हालत लोगों का भरोसा कमजोर कर रही है।ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण के दौरान विभागीय अधिकारियों और तकनीकी अमले की नियमित निगरानी की जिम्मेदारी होती है। यदि निर्माण के दौरान समय-समय पर गुणवत्ता परीक्षण किए गए होते तो ऐसी स्थिति शायद सामने नहीं आती।

सौंसर में 8 अगस्त को लगेगा निःशुल्क रोग निदान शिविर

सौंसर। क्षेत्रवासियों के स्वास्थ्य लाभ के लिए शहीद भगत सिंह व्यापारी मंडल एवं समस्त पत्रकार बंधुओ द्वारा एक विशेष पहल की जा रही है। नागपुर के सुप्रसिद्ध आयुर्वेद पंचकर्म तज्ञ एवं राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता डॉ. ममताणी दंपती (डॉ. जी.एम. ममताणी एवं डॉ. अंजु जी. ममताणी) द्वारा सौंसर में एक दिवसीय निःशुल्क आयुर्वेदिक रोग निदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है।शिविर आयोजन प्रमुख दिलीप बागडे ने बताया कि यह शिविर शनिवार, 08 अगस्त को अन्नाभाऊ साठे मंगल भवन, सौंसर में आयोजित होगा। शिविर का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 4 बजे तक निर्धारित किया गया है। यह शिविर डॉ. ममताणी दंपती के 'घर-घर में आयुर्वेद' अभियान का 304वां पड़ाव है। शिविर में गठिया, लकवा, स्पॉन्डिलाइटिस, स्लिप डिस्क, डायबिटीज, हृदय रोग, स्त्री रोग, चर्म रोग, माइग्रेन सहित कई गंभीर बीमारियों का परामर्श दिया जाएगा। शिविर में आने वाले मरीजों के लिए आवश्यकतानुसार ब्लड शुगर टेस्ट निःशुल्क रहेगा और 'स्वास्थ्य वाटिका' पत्रिका भी मुफ्त वितरित की जाएगी। इसके अलावा, पंचकर्म या भर्ती होने आईपीडी पर 15 प्रतिशत की विशेष छूट दी जाएगी तथा औषधियां रियायती दरों पर उपलब्ध रहेंगी।इच्छुक मरीज शिविर स्थल पर या फोन के माध्यम से अपना रजिस्ट्रेशन या फिर अनिल पालीवाल, योगेश गवनेकर, दीपक जैन, मयूर मस्के अमोल पोस्ते संपर्क कर सकते हैं।

सांदीपनी स्कूल के प्राचार्य की दबंगई छात्रों को कर रहे हैं शिक्षा से वंचित

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट के सांदीपनी स्कूल से ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा के सात विद्यार्थियों को तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया गया है। उन्हें स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र (टीसी) थमा दिया गया। यह मामला तब सामने आया जब शनिवार को ग्यारहवीं के एक छात्र के पिता फिरोज खान ने मीडिया को इसकी जानकारी दी।

प्राचार्य युवराज राहंगडाले ने इस संबंध में बयान दिया है कि जो छात्र प्रार्थना में शामिल नहीं हो सकता, उसे इस स्कूल में पढ़ने का कोई अधिकार नहीं है।

फिरोज खान ने बताया कि उनका बेटा डायबिटिक है और घटना वाले दिन प्रार्थना से पहले वह पेशाब करने गया था। इसी बात पर उसे टीसी जारी कर स्कूल न आने को कहा गया।

फिरोज खान के अनुसार, जब उन्होंने प्राचार्य से इस मामले में बात की, तो उन्होंने कहा, ₹जो बनता है बिगाड़ लो, कलेक्टर से शिकायत कर दो।₹ पिता ने चिंता व्यक्त की कि स्कूल से निकाले जाने के बाद उनका बेटा परेशान है और बीमार पड़ गया है। उन्होंने यह भी कहा कि प्राचार्य बच्चों को मानसिक रूप से परेशान कर रहे हैं, जिससे किसी भी अनहोनी की स्थिति में कौन जिम्मेदार होगा।

हालांकि, प्राचार्य ने सभी सात विद्यार्थियों के अभिभावकों को आगामी 22 जुलाई को स्कूल बुलाया है। उन्होंने बच्चों के प्रार्थना में अनुपस्थित रहने के संबंध में अभिभावकों से स्पष्टीकरण मांगा है। इस मामले में जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) धनश्री जैन से दूरभाष पर संपर्क किया गया। उन्होंने प्राचार्य से चर्चा के बाद जानकारी देने की बात कही, लेकिन उनका

अंधे कत्ल का पर्दाफाश - मृतक के ससुर समेत दो आरोपी गिरफ्तार

शराब की लत पारिवारिक विवाद बना कारण!

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट के वारासिवनी थाना इलाके में, कोपे और डोंगरमाली के जंगल में 14 जुलाई को मिले 40 साल के राजेंद्र शरणागत के शव के मामले को पुलिस ने सुलझा लिया है। रविवार को पुलिस ने राजेंद्र की हत्या के आरोप में उसके ससुर राजेश चौहान और ससुर के दोस्त प्रभुदयाल बिसेन को गिरफ्तार कर लिया है।

एसडीओपी विवेक सिंह ने रविवार को कंट्रोल रूम में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस पूरे मामले की जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, राजेंद्र अक्सर अपनी पत्नी के साथ मारपीट करता था। साथ ही, उसने अपने ससुर राजेश चौहान से करीब एक लाख रुपए उधार ले रखे थे, जिसे वह लगातार वापस मांग रहा था। इन दोनों बातों से परेशान होकर ससुर राजेश ने अपने दोस्त प्रभुदयाल के साथ मिलकर दामाद को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया।

तय प्लान के मुताबिक, 13 जुलाई को राजेश और प्रभुदयाल, राजेंद्र को शराब पिलाने के बहाने एक ढाबे पर ले गए। वहां से उन्होंने मीट और शराब पैक कराई और कोपे समेत डोंगरिया के जंगल के बीच पहुंच गए। जंगल में तीनों ने बैठकर फिर से शराब पी और मीट खाया।

इसी बीच, राजेंद्र का अपने ससुर से पत्नी के साथ मारपीट और उधार के पैसों को लेकर झगड़ा शुरू हो गया। बहस इतनी बढ़ गई कि राजेश ने अपने दोस्त प्रभुदयाल के साथ मिलकर राजेंद्र के गले को गमछे से कस दिया, जिससे दम घुटने के

कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दामाद की जान लेने के बाद दोनों आरोपी उसकी लाश को वहीं जंगल में छोड़कर भाग निकले।

एसडीओपी विवेक सिंह ने बताया कि राजेंद्र की पत्नी हमेशा अपने पिता राजेश को बताती थी कि राजेंद्र शराब के नशे में उसे बहुत मारता-पीटता है। इसके अलावा, राजेंद्र ने हाल ही में अपनी खुद की जमीन लाखों रुपए में बेची थी, जिसमें से उसने करीब एक लाख रुपए राजेश को उधार दिए थे। राजेंद्र लगातार ससुर राजेश पर वे पैसे वापस करने का दबाव बना रहा था।

बेटी की पिटाई और पैसे वापस मांगने की जिद से गुस्साए ससुर ने अपने दोस्त के साथ मिलकर दामाद की हत्या कर दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को पकड़कर इस अनसुलझे मर्डर केस का खुलासा कर दिया है।

लाखों रुपए की चोरी का आरोपी हैदराबाद से गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट पुलिस ने पिछले साल सितंबर में कोतवाली थाना इलाके में हुई लाखों रुपए की चोरी के मामले में साउथ इंडिया के शातिर 'शेट्टी गैंग' से जुड़े आरोपी वेंकटेशन पिता रंगनाथन को 10 महीने बाद हैदराबाद से गिरफ्तार किया है।

रविवार को मामले का खुलासा करते हुए एसपी आदित्य मिश्रा ने बताया कि कोतवाली पुलिस ने हैदराबाद में लगातार 21 दिनों तक डेरा डालकर आरोपी को खोज निकाला। पुलिस ने इस मामले में आरोपी के रिश्तेदार प्रभु सानिपति (निवासी चंद्रपुर, महाराष्ट्र) को भी गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य आरोपी राकेश सानिपति अभी फरार है।

यह पूरी वारदात पिछले साल 18 से 20 सितंबर के बीच कोतवाली थाना क्षेत्र के प्रभुत्तम नगर में हुई थी। चोरों ने आकाश बिसेन के सूने मकान का ताला तोड़कर सोने-चांदी के गहनों समेत 57 हजार रुपए पार कर दिए थे।

कुल मिलाकर करीब 12.57 लाख की चोरी हुई थी। पुलिस को गोंदिया से हैदराबाद वापस जाने के लिए काटी गई आरोपी की रिटर्न ट्रेन टिकट से अहम सुराग मिला था, जिसके बाद से उसकी तलाश की जा रही थी।

जांच में सामने आया है कि आरोपी वेंकटेशन का ससुराल चंद्रपुर में है और उसका पूरा ससुराल पक्ष भी चोरी की वारदातों में शामिल है। चौंकाने वाली बात यह है कि वेंकटेशन की शादी भी उसके शातिर तरीके से चोरी करने के 'गुण' को देखकर ही की गई थी। आरोपी और उसका परिवार बेहद लग्जरी जिंदगी जीता था।

बालाघाट से चुराए गए सोने को उसने बिना कागजात के लोन देने वाली एक फाइनेंस कंपनी में रखा और उस रकम से एक मालवाहक गाड़ी और 2 लाख रुपये की एक महंगी बाइक खरीद ली, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है।

राजाभोज की प्रतिमा तोड़ी, पंवार समाज ने जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले के परसवाड़ा में राजाभोज की प्रतिमा खंडित किए जाने का मामला सामने आया है। यह घटना गर्रा रेलवे ओवरब्रिज के राजाभोज नामकरण को लेकर हुए विवाद के बाद हुई है। पंवार समाज मंगल भवन के पास स्थापित यह प्रतिमा टूटी हुई मिलने के बाद समाज में भारी आक्रोश है और उन्होंने असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई की मांग की है।

घटना की जानकारी मिलने पर परसवाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही के बाद खंडित प्रतिमा को सफेद वस्त्र में लपेटकर सम्मानपूर्वक रखा। समाज के लोगों ने बताया कि

प्रतिमा को टूटी हालत में देखकर उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

इसके बाद पंवार समाज ने एक बैठक आयोजित की और परसवाड़ा थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा। समाज ने अपनी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचने की बात कहते हुए प्रतिमा तोड़ने वाले असामाजिक तत्वों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की।

परसवाड़ा पुलिस ने समाज को आश्वस्त किया है कि मामले में गंभीरता से कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कहा कि प्रतिमा खंडित करने वालों का पता लगाकर कानून के अनुसार उन्हें दंडित किया जाएगा।

समाज ने आशंका व्यक्त की है कि इस घटना का उद्देश्य सामाजिक सौहार्द बिगाड़ना हो सकता है। समाज ने पुलिस प्रशासन से अज्ञात आरोपियों की पहचान कर उनकी शीघ्र गिरफ्तारी और कठोर कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

सर्किल अध्यक्ष तामेश्वर पटले ने बताया कि सम्राट राजा भोज भारतीय इतिहास के महान शासकों में से एक रहे हैं। उनकी प्रतिमा को नुकसान पहुंचाना केवल पंवार समाज ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक सद्भाव पर भी आघात है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष एवं त्वरित कार्रवाई कर दोषियों को कानून के दायरे में लाने की मांग की।

19 जुलाई तक 386 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड

बालाघाट। चालू वर्षा सत्र में बालाघाट जिले में 01 जून से 19 जुलाई 2026 तक कुल 386 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। जबकि गत वर्ष 2025 में इसी अवधि में 627 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई थी। जिले की औसत सामान्यी वर्षा 1447 मिलीमीटर है और इसमें से 557 मिलीमीटर वर्षा 01 जून से 19 जुलाई 2026 की अवधि में हो जाना चाहिए। कार्यालय अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 19 जुलाई को प्रातः 08 बजे समाप्त हुए 24 घंटों के दौरान बालाघाट तहसील में 09 मिमी, वारासिवनी में 11 मिमी, बैहर में 02 मिमी, लांजी में 03 मिमी, कटंगी में 39 मिमी एवं तिरोड़ी तहसील में 18 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है।

लामता पुलिस ने संभाला मोर्चा, दुट्टी बांध से लेकर रेलवे स्टेशन तक चलाया सघन नशा मुक्ति व सुरक्षा अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नशामुक्त मध्यप्रदेश के संकल्प को धरातल पर उतार रहे लामता टीआई जितेंद्र चौहान

ऐतिहासिक दुट्टी बांध पर हुड़दंगियों और नशेड़ियों को पुलिस की दोटूक शराब के फेर में कई घरों के चिराग बुझे, अब लापरवाही बर्दाश्त नहीं'

लामता रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के भीतर पहुँची पुलिस जहरखुरानी गिरोहों से सावधान रहने के लिए यात्रियों को बांटे सुरक्षा टिप्स

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन के मुखिया मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश को अपराध और नशा मुक्त बनाने के लिए दिए गए सख्त निर्देशों का असर अब जमीनी स्तर पर व्यापक रूप से दिखाई देने लगा है। बालाघाट जिले के संवेदनशील और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण लामता क्षेत्र में पुलिस ने असामाजिक तत्वों और नशे के सौदागरों के खिलाफ एक बड़ा मोर्चा खोल दिया है। लामता थाना प्रभारी (TI) जितेंद्र चौहान के नेतृत्व में पुलिस बल ने एक ही दिन में दो बड़े संवेदनशील केंद्रों - अंग्रेजों के जमाने के ऐतिहासिक बैनगंगा नदी दुट्टी बांध और लामता रेलवे स्टेशन पर सघन नशा मुक्ति जागरूकता एवं चेकिंग अभियान चलाया।

दुट्टी बांध पर पुलिस का कड़ा पहरा मौत का सफर रोकने की कवायद: बैनगंगा नदी पर अंग्रेजों के शासनकाल में निर्मित दुट्टी बांध अपनी प्राकृतिक सुंदरता के कारण संपूर्ण बालाघाट जिले सहित आसपास के क्षेत्रों के पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र है। विशेषकर छुट्टियों के दिनों में यहाँ भारी भीड़ उमड़ती है। इसी का फायदा उठाकर कुछ असामाजिक तत्व यहाँ आकर माहौल खराब करते हैं और नशेबाजी करते हैं।इस गंभीर समस्या को देखते हुए लामता टीआई जितेंद्र चौहान अपनी पूरी टीम के साथ अचानक दुट्टी बांध स्थल पर पहुँचे। उन्होंने वहाँ घूम रहे पर्यटकों और स्थानीय ग्रामीणों को एकत्रित कर नशे के खिलाफ खुलकर बात की।थाना प्रभारी चौहान ने सरकार की मंशा को बेहद कड़े और संवेदनशील लहजे में स्पष्ट करते हुए कहानशा सिर्फ इंसान के शरीर को ही नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को जिंदा दफन कर देता है। मुझे विश्वसनीय सूत्रों और स्थानीय इनपुट्स से यह गंभीर जानकारी मिली है कि पूर्व में कई लोग शराब पीने की लत के चलते इस गहरे और खतरनाक बांध को तैरकर या खतरनाक रास्तों से पार कर दूसरी ओर जाते थे। इस नशे के सुरूर और लापरवाही के कारण अतीत में कई मासूम और नौजवानों ने असमय ही अपनी जान गंवाई है। लामता पुलिस अब दुट्टी बांध क्षेत्र को नो-ड्रग्स ज़ोन बनाने की दिशा में काम कर रही है। यहाँ किसी भी प्रकार की नशेबाजी या हुड़ दंग बर्दाश्त नहीं होगा। इस दौरान ग्राम दूटी के सैकड़ों ग्रामीण भी पुलिस के इस अभियान से जुड़े। ग्रामीणों ने एक सुर में मध्यप्रदेश शासन के मुखिया मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की नशा मुक्ति मुहिम की जमकर सराहना की। ग्रामीणों ने कहा कि मुख्यमंत्री की यह सोच प्रदेश को एक नई दिशा देगी। वहीं लामता पुलिस और टीआई जितेंद्र चौहान की इस त्वरित कार्रवाई को ग्रामीणों ने काबिल-ए-तारीफ बताते हुए कहा कि पुलिस के इस रुख से असामाजिक तत्वों के हौसले पस्त होंगे और बांध पर आने वाले परिवार खुद को सुरक्षित महसूस करेंगे।

लामता रेलवे स्टेशन पर सर्जिकल स्ट्राइक जहरखुरानी से बचाने को पुलिस मुस्तैद: दुट्टी बांध पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और ग्रामीणों को आश्वस्त करने के बाद लामता पुलिस का काफिला सीधे लामता रेलवे स्टेशन पहुँचा। यहाँ टीआई जितेंद्र चौहान ने भारी पुलिस बल के साथ प्लेटफॉर्म का जायजा लिया और स्टेशन पर खड़ी पैसेंजर व एक्सप्रेस ट्रेनों के भीतर प्रवेश किया।पुलिस टीम ने बोगियों में सफर कर रहे यात्रियों के बीच जाकर उन्हें जहरखुरानी नशीला पदार्थ खिलाकर लूटने वाले गिरोह और सफर के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से जागरूक किया। लामता पुलिस ने ट्रेन के अंदर यात्रियों से सीधा बात चित करते हुए कहा यात्रा के दौरान ट्रेन के भीतर राजश्री गुटखा, तंबाकू, सिगरेट या अन्य किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थों का सेवन न करें। यह सह-यात्रियों के लिए असुविधाजनक है और कानूनन अपराध भी है सफर में अक्सर कुछ अपराधी बहुत मिलनसार बनकर यात्रियों से दोस्ती कर लेते हैं। ऐसे किसी भी अज्ञात या संदिग्ध व्यक्ति द्वारा दी गई कोई भी खाद्य सामग्री जैसे - चाय, बिस्कुट, पानी, कोल्ड ड्रिंक या प्रसाद भूलकर भी न खाएं। शातिर अपराधी खाने-पीने की चीजों में बेहोशी या अन्य खतरनाक नशीले पदार्थ मिलाकर यात्रियों को अपना शिकार बनाते हैं। एक छोटी सी चूक आपकी जान जोखिम में डाल सकती है और आपका कीमती सामान, जेवर व नकदी लूटी जा सकती है।

लामता पुलिस द्वारा आज चलाए गए इस व्यापक और दोहरे अभियान ने पूरे क्षेत्र में एक सकारात्मक संदेश दिया है। थाना प्रभारी जितेंद्र चौहान ने साफ कर दिया है कि यह अभियान केवल एक दिन का नहीं है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस की टीमें लगातार दुट्टी बांध पर पेट्रोलिंग करेंगी और रेलवे स्टेशन पर भी औचक निरीक्षण किया जाएगा।

जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थान की पूर्व प्राचार्य सुभद्रा दुबे का निधन

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बालाघाट कि पूर्व प्राचार्य श्रीमती सुभद्रा दुबे का शुक्रवार 17 जुलाई को 78 वर्ष कि आयु मे दुःखद निधन हो गया.श्रीमती दुबे ने कुशालपुर रायपुर स्थित अपने भाई अनूप पांडे के निवास मे शुक्रवार कि सुबह अंतिम सांसे ली. शुक्रवार कि शाम बूढा तालाब के पास मारवाड़ी मोक्षधाम मे परिजनों व शुभचिंतको कि मौजूदगी मे नम आँखों से उनका अंतिम संस्कार किया गया. श्रीमती दुबे के भतीजे व उनके दत्तक पुत्र अनादि पांडे ने उन्हें मुख़ाग्नि दी. श्रीमती सुभद्रा दुबे बालाघाट जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों मे पदस्थ रही. उन्होंने वारासिवनी कि टिहलीबाई शासकीय स्कूल कमला नेहरू कन्या शाला बालाघाट मे बहुउद्देश्यी शासकीय शाला व एम एल बी स्कूल सहित जिले के कई प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानो मे बतौर व्याख्याता अपनी सेवाए प्रदान की.शिक्षा के क्षेत्र मे उनकी सशक्त और बेबाक कार्यशैली के चलते उन्हें बालाघाट जिले मे जेडर कोआर्डिनेटर बालिका शिक्षा के पद पर कार्य करने कि महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी मिली थी.इस दौरान उन्होंने जिले के सुदूर ग्रामीण अंचलो एवं नक्सल प्रभावित गाँवों मे अभावग्रस्त वातावरण मे पढ़ाई कर ररही बालिकाओं को शासन कि महती योजनाओ के साथ साथ जनसहयोग से मुख्यधारा से

जोड़कर उनका उत्थान करने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.वे लंबे समय तक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मे पदस्थ रही।

विशेष लोक अदालत में चेक बाउंस के 13 मामलों का हुआ निराकरण, 21.52 लाख रुपये का अवार्ड पारित

बालाघाट। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार परक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआई एक्ट) की धारा 138 के तहत लंबित चेक बाउंस प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए शनिवार 18 जुलाई को जिले के न्यायालयों में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान आपसी सहमति से 13 प्रकरणों का निराकरण कर कुल 21 लाख 52 हजार 963 रुपये का अवार्ड पारित किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय बालाघाट सहित जिले की सभी तहसील न्यायालयों में विशेष लोक अदालत के लिए अलग-अलग खंडपीठों का गठन किया गया। लोक अदालत में पक्षकारों ने आपसी सहमति से राजीनामा कर अपने मामलों का सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटारा कराया।

तिरोड़ी ग्राम पंचायत में नशा मुक्ति को लेकर विधिक जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

नालसा नई दिल्ली के निर्देशानुसार जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट प्राणेश कुमार प्राण और सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतीश शर्मा के मार्गदर्शन में शनिवार को तिरोड़ी ग्राम पंचायत भवन में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता व्यवहार न्यायालय कटंगी की न्यायिक मजिस्ट्रेट/ अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति सुश्री शबाना खान ने की। कार्यक्रम नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया। शुरुआत में सुश्री शबाना खान ने माँ सरस्वती के छायाचित्र का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर थाना तिरोड़ी के थाना प्रभारी, ग्राम पंचायत तिरोड़ी के सरपंच, सचिव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री शबाना खान ने अपने संबोधन में कहा कि नशा एक घातक बीमारी है जो व्यक्ति के तन, मन और धन तीनों को नष्ट कर देती है। यह सिर्फ एक व्यक्ति को नहीं बल्कि पूरे

परिवार को बर्बादी की कगार पर लाकर खड़ा कर देती है। शुरुआत में लोग इसे शौक या दोस्तों के दबाव में अपनाते हैं, लेकिन धीरे-धीरे यह उनकी मजबूरी बन जाती है। उन्होंने कहा कि आज के समय में शराब, गुटखा, स्मैक और ड्रग्स जैसे मादक पदार्थों का सेवन तेजी से बढ़ रहा है। नशे की लत के कारण इंसान सही-गलत का फर्क भूल जाता है, जिससे आपराधिक घटनाओं में वृद्धि होती है और समाज का माहौल दूषित होता है। किसी भी देश का भविष्य उसके युवा हैं। अगर हमारे देश के युवा नशे की गिरफ्त में आ गए तो राष्ट्र का विकास कैसे होगा? इसलिए हमें इस समस्या के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा होना होगा। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि नशा मुक्ति के लिए जागरूकता सबसे जरूरी है। हमें अपने परिवार, दोस्तों और आसपास के लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में बताना होगा। जो लोग नशे की लत में फंसे हैं उनसे नफरत न करके उन्हें सही मार्गदर्शन और इलाज के लिए नशा मुक्ति केंद्र तक पहुंचाने में मदद करें। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों को यह शपथ दिलाई गई कि न तो हम खुद कभी नशे का सेवन करेंगे और न ही किसी और को करने देंगे। हम अपने देश और समाज को नशा-मुक्त बनाने में पूरा योगदान देंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में न्यायालयीन कर्मचारी समीर बिसेन, हितेन्द्र कुमार गढ़पाल, मुरलीधर गौतम, सनूप उईके, देवेन्द्र ठाकरे, कोर्ट मोहर्रिर छत्रपाल बघेल, सना खान का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस दौरान ग्राम पंचायत के सभी पंचगण एवं ग्रामीण जन के साथ पुलिस स्टाफ भी उपस्थित रहा।

जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी में केरल के विद्यार्थियों ने हिन्दी में लिखे पत्र, बालाघाट की संस्कृति से हुए प्रभावित

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

जवाहर नवोदय विद्यालय, वारासिवनी में राष्ट्रीय एकता एवं छात्र आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत केरल जैसे अहिंदीभाषी प्रदेश से आए विद्यार्थियों ने हिन्दी भाषा के प्रति अद्भुत रुचि और लगाव का परिचय दिया है। इन विद्यार्थियों ने न केवल हिन्दी सीखने में उत्साह दिखाया, बल्कि अपने माता-पिता को हिन्दी में पत्र लिखकर बालाघाट जिले की समृद्ध संस्कृति, वेशभूषा, खानपान एवं लोकसंस्कृति का सुंदर वर्णन भी किया।विद्यालय के प्राचार्य संदीप जैन ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि प्रारंभ में हिन्दी भाषा से अपरिचित रहे ये विद्यार्थी अब इतनी सहजता से हिन्दी में अपने विचार व्यक्त कर रहे हैं, जो अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा हिन्दी में पत्र लेखन करना इस बात का प्रमाण है कि भाषा के माध्यम से सांस्कृतिक एकता को और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है।प्राचार्य ने यह भी बताया कि वर्तमान डिजिटल युग में जहां अन्तरदेशीय पत्र लेखन की परंपरा लगभग विलुप्त होती जा रही है, वहीं इन विद्यार्थियों द्वारा अपने माता-पिता को पत्र लिखना एक

सुखद और प्रेरणादायक पहल है। इससे न केवल भाषा का विकास हो रहा है, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव भी सुदृढ़ हो रहा है।विद्यार्थियों ने अपने पत्रों में बालाघाट की प्राकृतिक सुंदरता, स्थानीय खानपान की विविधता, पारंपरिक वेशभूषा और लोकसंस्कृति की झलक को बड़े ही भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। इस गतिविधि के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह और प्रसन्नता देखी गई।इस महत्वपूर्ण गतिविधि के सफल संचालन में हिन्दी विभाग के प्रमुख बी.आर. पटेल, दीपेश जैन, श्रीमती यशोधरा सिंह एवं मोहम्मद अयाज़ अंसारी का विशेष योगदान रहा। सभी ने उप प्राचार्य रणवीर सिंह के मार्गदर्शन में समन्वयपूर्वक कार्य करते हुए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।विद्यालय परिवार ने इस पहल को राष्ट्रीय एकता, भाषाई समरसता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन का संकल्प लिया है।

38 हजार कोटवारों की हुंकारः अब जवाब दो सरकार

मोहखेड़-सांवरी के कोटवारों ने विधायक को सौंपा मांगों का ज्ञापन

विधानसभा में तारांकित-अतारांकित प्रश्न लगाने की मांग, नियमितीकरण, 10 लाख सेवानिवृत्ति लाभ, अनुकंपा नियुक्ति और वर्दी घोटाले जैसे मुद्दे उठाने का आग्रह

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

प्रदेशभर के लगभग 38 हजार कोटवारों की वर्षों पुरानी लंबित मांगों को लेकर शुक्रवार को मोहखेड़-सांवरी सर्किल के कोटवारों ने एकजुट होकर विधायक नीलेश उइके को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से आगामी विधानसभा सत्र में कोटवारों की समस्याओं पर तारांकित एवं अतारांकित प्रश्न लगाए जाने की मांग की गई, ताकि शासन की जवाबदेही तय हो सके और लंबे समय से उपेक्षित इस वर्ग को न्याय मिल सके।

कोटवार संघ के अध्यक्ष नरेंद्र वस्त्राणे ने बताया कि प्रदेश के हजारों कोटवार वर्षों से शासन-प्रशासन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य कर रहे हैं। गांवों में राजस्व, पुलिस, निर्वाचन, जनगणना, आपदा प्रबंधन, शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन और प्रशासनिक सूचनाओं के आदान-प्रदान में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। इसके बावजूद आज तक उन्हें नियमित कर्मचारी का दर्जा नहीं दिया गया है।

ज्ञापन में सबसे प्रमुख मांग सेवानिवृत्ति लाभ और अनुकंपा नियुक्ति को लेकर उठाई गई है। कोटवारों ने मांग की कि सेवा समाप्ति पर प्रत्येक कोटवार को 10 लाख रुपये की सम्मानजनक सेवानिवृत्ति राशि प्रदान की जाए तथा उनके आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति का स्पष्ट और प्रभावी प्रावधान लागू किया जाए।

वर्दी वितरण में ठेकेदारी व्यवस्था पर उठाए सवाल

कोटवारों ने वर्ष 2023 के बाद वर्दी वितरण की बदली व्यवस्था पर भी सवाल उठाए हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि पहले वर्दी खरीदने के लिए राशि सीधे कोटवारों के बैंक खातों में जमा की जाती थी, जिससे वे अपनी आवश्यकता और गुणवत्ता के अनुसार वर्दी तैयार कराते थे। लेकिन अब नगद राशि बंद कर ठेकेदारों के माध्यम से वर्दी वितरित की जा रही है। कोटवारों का आरोप है कि इस व्यवस्था में घटिया गुणवत्ता की वर्दी दी जा रही है। उन्होंने मांग की कि सरकार स्पष्ट करे कि यह निर्णय किन आधारों पर लिया गया और इससे किसे लाभ पहुंचाया जा रहा है।

आजादी से पहले से सेवा में, फिर भी नियमित क्यों नहीं?

ज्ञापन में कोटवारों ने सामान्य प्रशासन विभाग के नियमों का हवाला देते हुए पूछा है कि किसी भी पद के नियमितीकरण की निर्धारित समय-सीमा क्या होती है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि यदि कोटवार व्यवस्था आजादी से पहले से अस्तित्व में है और यह सेवा सदियों से शासन की रीढ़ मानी जाती रही है, तो आज तक कोटवारों को नियमित कर्मचारी का दर्जा क्यों नहीं दिया गया।कोटवारों ने ₹समान कार्य के लिए समान वेतन₹ के सिद्धांत को लागू करने की मांग करते हुए कहा कि प्रदेश के 38 हजार कोटवार लगातार महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रहे हैं, लेकिन उन्हें न तो नियमित वेतन मिल रहा है और न ही अन्य शासकीय कर्मचारियों जैसी सुविधाएं।ज्ञापन सौंपते समय विधायक नीलेश उइके से आग्रह किया गया कि वे आगामी विधानसभा सत्र में इन सभी मुद्दों को मजबूती से उठाकर सरकार से स्पष्ट जवाब मांगें। कोटवारों ने उम्मीद जताई कि विधानसभा के माध्यम से उनकी वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान होगा और इस उपेक्षित वर्ग को न्याय मिल सकेगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान मोहखेड़-सांवरी सर्किल के अनेक कोटवार उपस्थित रहे।

विशेष व्याख्यान, लघु फिल्म और शपथ के जरिए विद्यार्थियों को किया जागरूक

दमुआ। शासकीय महाविद्यालय दमुआ में विद्यार्थियों के बीच नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष व्याख्यान एवं लघु फिल्म प्रदर्शन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ताओं ने तम्बाकू, सिगरेट, गुटखा तथा अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक दुष्प्रभावों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशे की लत व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके परिवार, शिक्षा और भविष्य को भी गंभीर रूप से प्रभावित करती है। युवाओं से अपील की गई कि वे नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं और समाज में सकारात्मक बदलाव के वाहक बनें।व्याख्यान के बाद विद्यार्थियों को एक प्रेरणादायक लघु फिल्म दिखाई गई, जिसमें नशे की गिरफ्त में आए लोगों के जीवन पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। फिल्म के माध्यम से विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि नशे से दूर रहना ही सुरक्षित, स्वस्थ और सफल जीवन की कुंजी है।इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर एवं उच्च शिक्षण संस्थानों के आसपास तम्बाकू और सिगरेट की गुमटियों तथा दुकानों के संचालन पर रोक लगाने की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि शैक्षणिक संस्थानों के आसपास नशे से जुड़े उत्पादों की बिक्री पर नियंत्रण समाज की साझा जिम्मेदारी है।कार्यक्रम का सफल संयोजन डॉ. राजेश कुमार लोखंडे, डॉ. विमल कुमार कौशले, डॉ. सरिता पाल, सुषमा टांडेकर एवं डॉ. विनिता धुर्वे द्वारा किया गया। अंत में महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। सभी ने जीवनभर नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार, मित्रों और समाज को भी नशामुक्ति के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार की सक्रिय सहभागिता रही।

ब्लॉक स्तरीय वार्षिक खेलकूद कैलेंडर का भव्य आगाज

सौंसर। विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय के सभागार में आज ब्लॉक स्तरीय वार्षिक खेलकूद गतिविधियों के सफल संचालन हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में आगामी खेल सत्र के लिए ब्लॉक स्तरीय खेलकूद कैलेंडर का आधिकारिक विमोचन किया गया, जो क्षेत्र में स्कूली खेलों को नई दिशा प्रदान करेगा।प्रतियोगिताओं को व्यवस्थित और प्रभावी ढंग से संपन्न कराना था। इस दौरान विकासखंड के शासकीय और अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों, खेल शिक्षकों और खेल प्रभारियों के साथ कैलेंडर की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में खेल प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें बेहतर मंच उपलब्ध कराने हेतु रणनीतियां तैयार की गईं। कार्यक्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी भास्कर गांवडे, ब्लॉक खेल अधिकारी मिलिंद चारे,नोडल अधिकारी बाबा खान विशेष रूप से उपस्थित रहे। इन अधिकारियों ने खेल प्रभारियों को प्रतियोगिता के दौरान अनुशासन और नियमों के पालन के प्रति आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस आयोजन से सौसर ब्लॉक के विद्यार्थियों में खेल के प्रति खासा उत्साह देखा जा रहा है। खेलकूद कैलेंडर जारी होने के बाद अब स्कूलों में भी खेल प्रतियोगिताओं की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं।

गंदे नाले के पानी में घिरा श्रीवास्तव परिवार, शिकायतों के बाद भी नहीं मिली राहत

कलेक्टर, एसडीएम और सीएम हेल्पलाइन में गुहार के बावजूद कार्रवाई नहीं होने का आरोप, वार्ड-21 की समस्या बनी चर्चा का विषय

हरिभूमि न्यूज ⏭ परासिया

नगर पालिका परासिया के वार्ड क्रमांक-21 में रहने वाला श्रीवास्तव परिवार पिछले लंबे समय से नाली के गंदे पानी और बदबू के बीच जीवन बिताने को मजबूर है। परिवार का आरोप है कि कई बार जिला कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 181 सहित संबंधित अधिकारियों को लिखित शिकायत देने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया। लगातार शिकायतों के बाद भी कार्रवाई नहीं होने से प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।

परिवार की महिला का कहना है कि बरसात के दौरान नाली का गंदा पानी सीधे उनके घर में घुस जाता है, जिससे पूरे घर में बदबू फैल जाती है। जलभराव के कारण परिवार को संक्रमण और बीमारियों का खतरा बना रहता है। उनका कहना है कि छोटे बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह स्थिति बेहद परेशान करने वाली है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं कर पाए हैं।

महिला का आरोप है कि वार्ड में रहने वाले कुछ प्रभावशाली लोगों के नगर पालिका अध्यक्ष से जुड़े होने के कारण उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा।

उनका कहना है कि कई बार आवेदन देने और अधिकारियों से गुहार लगाने के बावजूद नाली की सफाई, जल निकासी व्यवस्था सुधारने और गंदे पानी की रोकथाम के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया।स्थानीय लोगों का भी कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने मामले में हस्तक्षेप किया होता तो आज यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती। उनका मानना है कि बरसात के मौसम में जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त रखना नगर पालिका की प्राथमिक जिम्मेदारी है, लेकिन वार्ड-21 में यह व्यवस्था पूरी तरह विफल दिखाई दे रही है।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब शिकायतें जिला प्रशासन तक पहुंच चुकी हैं और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में भी मामला दर्ज है, तब भी कार्रवाई क्यों नहीं हुई। लोगों का कहना है कि यदि शिकायतों पर समय पर कार्रवाई नहीं होगी तो आम नागरिकों का प्रशासन पर विश्वास कमजोर होगा।

पीड़ित परिवार ने प्रशासन से मांग की है कि उनके घर में घुस रहे गंदे पानी की तत्काल निकासी कर स्थायी समाधान किया जाए, ताकि उन्हें गंदगी और बदबू के बीच जीवन जीने के लिए मजबूर न होना पड़े। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे उच्च अधिकारियों और न्यायालय का दरवाजा खटखटाने पर भी विचार करेंगे।

भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और बहन सुभद्रा की निकाली गई रथ यात्रा

रिमझिम बारिश में विधायक, पूर्व विधायक सहित भक्तों ने सड़क पर लगाई झाड़ू, अपने हाथों से रथ को खींचा,जगह-जगह हुई पुष्प वर्षा

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

धर्म और आस्था का अपूर्व संगम रविवार को वारासिवनी नगर में देखने को मिला।उड़ीसा के जगन्नाथपुरी में निकाली जाने वाली जगन्नाथ यात्रा के तर्ज पर वारासिवनी नगर में दूसरी बार रथ यात्रा निकाली गई।भगवान जगन्नाथ,बलभद्र और बहन सुभद्रा की भव्य रथ यात्रा में नागरिकों की अपार श्रद्धा व उत्साह देखने को मिला। हजारों श्रद्धालु भगवान के दर्शन और रथ खींचने का पुण्य लाभ लेने सड़को पर उमड़ पड़े। पूरा नगर जय जगन्नाथ, हरे कृष्णा हरे रामा के जय घोष, भजन कीर्तन और ढोल नगाड़ों की गूंज से भक्तिमय हो गया।

शहर में दूसरे वर्ष उड़ीसा के जगन्नाथपूरी की विश्व प्रसिद्ध परंपरा के अनुरूप इस रथ यात्रा का आयोजन किया गया। रथ यात्रा का शुभारंभ जैन मोहल्ला स्थित बड़ा श्रीकृष्ण मंदिर से भगवान की आरती के साथ किया गया । आरती के बाद रथ यात्रा प्रारंभ होकर गोलीबारी चौक, अम्बेडकर चौक,नेहरू चौक, जय स्तंभ चौक, बस स्टैंड, दीनदयाल चौक होते हुए पुनः बस स्टैंड मार्ग से राम मंदिर पहुंची। जहां भक्तों को महा प्रसादी का वितरण किया।

इस दौरान विधायक विवेक विक्की पटेल,पूर्व विधायक प्रदीप जायसवाल, समाजसेवी संजय सिंह कछवाहा, डॉ रविंद्र ताथोड़, संदीप मिश्रा, लोकचंद ठाकरे, अभिषेक अग्रवाल, विक्की एडे, प्रमेंद्र हेड़ाऊ, रवि गोखले, राकेश सोनी, संजय रूसिया, प्रदीप शरणागत, विनय सुराना,सुदेश गुड्डू सोनी, चिंटू जैन सहित भक्तजन मौजूद रहे।

रथ यात्रा के दौरान बारिश के होते हुए भी भक्तों ने रथ के दोनों ओर लगे रस्से को हाथ से खींचा। यात्रा में नगर भ्रमण के दौरान हरे राम, हरे कृष्णा,हरे कृष्णा, हरे,हरे की धुन गूंजती रही।जैसे-जैसे रथ यात्रा आगे बढ़ रही थी। मार्ग के कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने आरती उतारकर पुष्प वर्षा की।आकर्षण सजावट वाले इस रथ ने भक्तों का मन मोह लिया।अनवसर काल के बाद भगवान भक्तों को दर्शन देने रथ पर सवार होकर निकलते है।

मंदिर से प्रारंभ होकर जैसे-जैसे भगवान जगन्नाथ का रथ आगे बढ़ रहा था। वैसे वैसे भक्तों की अपार संख्या रथ को खींचने उमड़ पड़ी। हर कोई भगवान के रथ को खींच कर खुद को धन्य मान रहा था। गाजे बाजे और मनोहारी नृत्य झाकियों के साथ निकली रथ यात्रा को देखने श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। रथ को खींचने किसी भी प्रकार से परेशानी ना हो, इसके लिए पुलिस प्रशासन भी पूरा सहयोग कर रहा था।

लांजी नगर परिषद की बड़ी लापरवाही उजागर, पंचायत क्षेत्र में खुलेआम फेंका जा रहा सीवर का गंदा पानी

सीवर का जहर गांव में उड़ेल रही नगर परिषद! घोटी की सड़क बनी गंदे पानी का डंपिंग जोन

हरिभूमि न्यूज लाँजी ।

नगर परिषद लांजी की कार्यप्रणाली एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में है। आरोप है कि नगर परिषद शहर के सीवर और नालियों की सफाई के बाद सक्शन मशीन से निकाला गया गंदा और बदबूदार पानी ग्राम पंचायत घोटी की सीमा में सड़क किनारे खुलेआम डाल रही है। इससे पूरे क्षेत्र में असहनीय दुर्गंध फैल रही है और ग्रामीणों के साथ-साथ राहगीरों का आवागमन भी दूभर हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर परिषद की यह हरकत न केवल गैर-जिम्मेदाराना है, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य के साथ खुला खिलवाड़ भी है।

ग्रामीणों का आरोप है कि नगर परिषद अपने क्षेत्र की गंदगी को पंचायत क्षेत्र में फेंककर जिम्मेदारी से बचना चाहती है। सड़क किनारे जमा हो रहा सीवर का पानी धीरे-धीरे आसपास फैल रहा है, जिससे मच्छरों का प्रकोप बढने लगा है। लोगों का कहना है कि वर्तमान में बरसात का मौसम है और ऐसी स्थिति में यह स्थिति और भयावह हो सकती है तथा हैजा, डायरिया, टायफाइड और अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ जायेगा। ग्रामीणों ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर नगर परिषद के जिम्मेदारो पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि सीवर से निकले अपशिष्ट का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जाना चाहिए, लेकिन नियमों को ताक पर रखकर पंचायत क्षेत्र को गंदगी का अड्डा बनाया जा रहा है। लोगों ने जिला प्रशासन, प्रदूषण नियंत्रण विभाग और स्वास्थ्य विभाग से तत्काल हस्तक्षेप कर इस पर रोक लगाने की मांग की है।

इस संबंध में ग्राम पंचायत घोटी के सरपंच श्रीचंद कामड़े ने बताया कि सालेटेकरी रोड स्थित कटंगनाला के पास नगर परिषद लांजी द्वारा सक्शन मशीन से निकाला गया सीवर का गंदा पानी सड़क किनारे खुले में डाला जा रहा है, जो अत्यंत गंभीर और जनस्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। यह मार्ग नौ ग्राम पंचायतों के हजारों ग्रामीणों की आवाजाही का प्रमुख रास्ता है। गंदे पानी से उठ रही दुर्गंध के कारण राहगीरों को भारी परेशानी हो रही है। वर्तमान में बरसात का मौसम होने से संक्रमण और संक्रामक बीमारियां फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह गंदगी फैलाना पूरी तरह अनुचित है। हम इसका पुरजोर विरोध करते हैं और प्रशासन से तत्काल रोक लगाकर कार्रवाई की मांग करते हैं।

इनका कहना है

झे इस संबंध में जानकारी नही थी, आपके द्वारॉ जानकारी दी जा रही है, वैसे भी गांव के समीप सीवर का गंदा पानी डालना पूर्णतः गलत भी है, मै इसको दिखवाकर उचित स्थान पर डालने कहा जायेगा।

मयुर वाहने, सीएमओ
नगर परिषद लांजी

उकवा में लगा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, 250 से अधिक ग्रामीणों ने उठाया लाभ

मार्श आर्थोपेडिक हॉस्पिटल बालाघाट की पहल, विशेषज्ञ डॉक्टरों ने की निःशुल्क जांच एवं दवा वितरण

हरिभूमि न्यूज उकवा ।

ग्रामीण अंचल में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने के उद्देश्य से मार्श आर्थोपेडिक हॉस्पिटल बालाघाट द्वारा उकवा के जय बड़ा देव पूजा स्थल उकवा में एक दिवसीय भव्य निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के 250 से अधिक मरीजों ने स्वास्थ्य जांच कराई और निःशुल्क दवाएं प्राप्त कीं।

शिविर का शुभारंभ नव पदस्थ थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश धूमकेति, नवपदस्थ उकवा चौकी प्रभारी निरीक्षक सुभाष दुबे और वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता जेम्स बारीक ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर किया। कार्यक्रम में जय बड़ा देव एकता समिति अध्यक्ष आर एस तिलगाम और सचिव राजेंद्र टेकाम सहित क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में थाना प्रभारी कमलेश धूमकेति ने कहा कि ₹इस तरह के स्वास्थ्य शिविर दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए बहुत लाभदायक हैं। मार्श हॉस्पिटल का यह प्रयास सराहनीय है।₹ सामाजिक कार्यकर्ता जेम्स बारीक ने भी अस्पताल प्रबंधन को बधाई देते हुए कहा कि भविष्य में भी इस तरह के शिविरों का आयोजन होते रहना चाहिए ताकि हर व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधा पहुंच सके।

इस शिविर को सफल बनाने में स्थानीय समाजसेवियों का बड़ा योगदान रहा। संदीप गजभिए, डॉ. प्रभात घुले, दानेश परिहार, सुशील टेकाम, जियलाल वल्के, अर्जुन मरकाम, अशोक ईडपाछे, सोनबती मेरावी, प्रमिला वरकड़े हीरालाल ने व्यवस्थाएं संभाली। मार्श हॉस्पिटल की ओर से विकास नामदेव, विनय साहू, तुलसी अंगूरे, कांची बिसेन, संतोष साहू सहित पूरा स्टाफ सुबह से ही मरीजों की सेवा में लगा रहा।

पहली घंटी के साथ सड़क पर दौड़ती बाइकें : उत्कृष्ट विद्यालय लाँजी के नाबालिग छात्रों की लापरवाही बनी चिंता

स्कूल समय में सालेटेकरी रोड पर बेखौफ फर्राटा, अनुशासन और सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज लाँजी । उत्कृष्ट विद्यालय लाँजी के कुछ कम उम्र के छात्रों द्वारा स्कूल समय में बाइक चलाकर सड़क पर तेज रफ्तार और लापरवाही से घूमने का मामला स्थानीय नागरिकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। प्रतिदिन स्कूल लगने के दौरान सालेटेकरी रोड पर कई छात्र दोपहिया वाहनों से आते-जाते और सड़क पर मस्ती करते देखे जा सकते हैं। इनमें से कई छात्रों की उम्र ऐसी बताई जा रही है, जिसमें उन्हें वाहन चलाने की वैधानिक अनुमति भी नहीं होती। ऐसे में यह स्थिति किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि स्कूल समय में छात्र सड़क पर इस तरह बेखौफ बाइक चलाते दिखाई देते हैं तो यह केवल यातायात नियमों की अनदेखी का मामला नहीं, बल्कि अनुशासन और निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है। नागरिकों का मानना है कि विद्यालय प्रबंधन को छात्रों की गतिविधियों पर प्रभावी नजर रखनी चाहिए, वहीं अभिभावकों की भी जिम्मेदारी है कि वे नाबालिग बच्चों को वाहन न सौंपें। यदि किसी दिन सड़क पर कोई गंभीर दुर्घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी- अभिभावकों की, जिन्होंने वाहन उपलब्ध कराया, या विद्यालय की, जिसने छात्रों पर अनुशासनात्मक नियंत्रण सुनिश्चित नहीं किया? यह प्रश्न अब लोगों के बीच प्रमुखता से उठने लगा है।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन, यातायात पुलिस और विद्यालय प्रबंधन से संयुक्त रूप से कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि स्कूल समय में नियमित निगरानी, जागरूकता अभियान और आवश्यक अनुशासनात्मक कदम उठाए जाएं ताकि नाबालिग छात्रों द्वारा वाहन चलाने की प्रवृत्ति पर रोक लग सके। नागरिकों का मानना है कि समय रहते प्रभावी पहल नहीं की गई तो भविष्य में कोई अप्रिय घटना पूरे क्षेत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय बन सकती है। विद्यालय परिसर के बाहर भी नियमित निगरानी और यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराया जाना समय की आवश्यकता है।

तेज रफ्तार कार ने दोपहिया को मारी टक्कर

मां-बेटी गंभीर घायल, शराब पीकर कार चला रहा था चालक

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

कटंगी-बोनकट्टा मुख्य मार्ग पर शनिवार शाम भालवा नाले के पास हुए सड़क हादसे में मां-बेटी गंभीर रूप से घायल हो गईं। तेज रफ्तार ऑल्टो कार ने सामने चल रही दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार चालक वाहन को मौके से लेकर फरार हो गया। जिसके पुलिस ने एक पेट्रोप पंप के पास पकड़ लिया। प्राप्त जानकारी अनुसार नवेगांव निवासी सिंधु वासनिक अपनी पुत्री हिना वासनिक के साथ दोपहिया वाहन से कटंगी की ओर आ रही थीं। उसी दिशा से आ रही ऑल्टो कार क्रमांक एमपी 20 बीएन 8772 ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मां-बेटी सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गईं। घटना के बाद राहगीरों ने तुरंत डायल 112 और 108 पर सूचना दी, लेकिन समय पर एंबुलेंस नहीं पहुंची। राहगीर दानिश शेख, मुजाहिद खान और आकाश सोनवाने ने मानवता का परिचय दिया। दानिश घायलों को अपने वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

हादसे की जांच कर रहे प्रधान आरक्षक अनिल चौके ने रविवार सुबह साढ़े 11 बजे जानकारी देते हुए बताया कि कार चला रहा युवक ग्वालियर निवासी पंकज राय है। वह नांदी टोल बैरियर में कर्मचारी है। हादसे के समय कार में पंकज के साथ उसके दो दोस्त भी सवार थे। पुलिस के अनुसार तीनों ने शराब पी रखी थी। आरोपी पंकज राय के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 281, 125(ए) और मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 184 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। वहीं कार को जब्त कर अभिरक्षा में लिया गया है। फिलहाल पुलिस जांच कर रही है।

खबर संक्षेप

उत्तर वन मंडल सिवनी में दो वन आरक्षकों को मिली पदोन्नति, बने वनपाल

लखनादौन/सिवनी। उत्तर वन मंडल सिवनी के शिकारा वन परीक्षेत्र में पदस्थ दो वन आरक्षकों ममता नेताम एवं मुकेश तिवारी को पदोन्नत कर वनपाल बनाया गया। पदोन्नति आदेश के उपरांत अपर वन मंडल अधिकारी गोपाल सिंह ने दोनों अधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर वन परीक्षेत्र अधिकारी एस. बघेल सहित वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। वन विभाग के अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि दोनों नवपदोन्नत वनपाल अपनी नई जिम्मेदारियों का निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निर्वहन करते हुए वन एवं वन्यजीव संरक्षण के कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाएंगे। पदोन्नति से विभागीय कर्मचारियों में हर्ष का वातावरण है तथा सहकर्मियों ने ममता नेताम एवं मुकेश तिवारी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कु. घनिष्टा का सुयश, नीट परिक्षा 2026 में लहराया परचम...

छपारा निवासी राजेंद्र /मीना राहंगडाले के सुपुत्री ने नीट परीक्षा 2026 में 720 अंको में से 589 अंक अर्जित कर आल इंडिया रेंक ओबीसी केटेगरी में 6445वीं रेंक हासिल किया, उगली शाष. हाई स्कूल में अध्यन के दौरान सुपर हंड्रेड में चयन के बाद भोपाल में वर्तमान में अध्यनरत है.

इस होनहार छात्रा ने अपनी इस उपलब्धि से अपने गांव और जिले को गोरवानवित किया है, आपके उज्जवल भविष्य की ईश्वर से कामना करते हैं. कु. घनिष्टा ने अपनी इस उपलब्धि के पीछे सर्व प्रथम अपने गुरुजन, माता पिता, सहयोगी, सहपाठी, मित्र गण सभी से प्रेरणा लेकर श्रेष्ठता हासिल की है. सच्ची एकाग्रता, अनुशासन, लग्न शीलता और त्याग समर्पण से यह उपलब्धि हासिल की है. नियमित पढाई में विशेष रुचि और सिर्फ पढाई का मकसद हो तो हर आयाम को छुआ जा सकता है, ग्रामीण परिवेश में पली बढी होनहार छात्रा एक चिकित्सक के रुप में अपने आपको आगे बढाना चाहती हैं।

डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र बनाने में छात्रों को परेशानी-स्टूडेंट फेडरेशन

वर्तमान समय में छात्रों को स्कूलों में एडमिशन लेने के लिए भारी परेशानी हो रही है क्योंकि छात्रों को एडमिशन के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए और अन्य कार्यों के लिए डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र की आवश्यकता हो रही है जिसे बनाने के लिए छात्रों को जगह-जगह जाकर परेशान होना पड़ रहा है कार्यालय जाने पर हमेशा सर्वर डाउन मिलता है और उनका प्रमाण पत्र नहीं बन पाता ऐसे में छात्रों को बार-बार कार्यालय के चक्कर लगाना पड़ रहा है और वापस घर जाना पड़ता है। इसीलिए ऑल इंडिया स्टूडेंट फेडरेशन एवं नौजवान फेडरेशन के संजू डहरिया सहित इरफान पठान पवन कुमार सनोदिया शेर सनोदिया राजा डहरिया आकाश खोधि पवन चंद्रवंशी आनंद विश्वकर्मा आदि ने शासन प्रशासन से मांग की है कि छात्रों को आवश्यकता पड़ने पर उनके जन्म प्रमाण शासन के द्वारा उपलब्ध करावे।

स्मार्ट मीटर या गरीबों पर डाका? खैरा पलारी में बिजली विभाग की तानाशाही के खिलाफ हल्लाबोल!

बिना नोटिस और पुलिस का खौफ दिखाकर जबरन बदले मीटर, पहले की दादागिरी फिर कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए दबाव बनाकर लिए सहमति पत्र पर दस्तखत!

जनता त्रस्त, सरकारी गाड़ी में अप-डाउन करने वाले अफसर मस्त! मुख्यालय से नदारद रहने वाले एई मर्सकोले के कामकाज पर उठे गंभीर सवाल,

खैरा-पलारी/सिवनी। संवाददाता, कैलाश लाहौरी
सरकारी सिस्टम की संवेदनहीनता और बिजली विभाग की तानाशाही के खिलाफ सिवनी जिले के खैरा-पलारी क्षेत्र में जन-आंदोलन की चिंगारी सुलग उठी है। क्षेत्र में स्मार्ट मीटर के नाम पर गरीबों की जेब पर सरेआम डाका डाला जा रहा है। स्थिति इस कदर बेकाबू हो चुकी है कि बीते 9 जून को 4 ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों और सैकड़ों उपभोक्ताओं ने एकजुट होकर पलारी चौराहा स्थित कनिष्ठ अभियंता बिजली ऑफिस का घेराव कर दिया और विभाग के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय जमीनी हकीकत यह है कि यह मामला महज 4 पंचायतों तक सीमित नहीं है, बल्कि खैरा-पलारी के आस-पास की सभी ग्राम पंचायतों में बिजली विभाग ने अंधेरगर्दी मचा रखी है। जनता त्रस्त है और अधिकारी अपनी सुख-सुविधाओं में मस्त हैं।

धोखाधड़ी का खेलः पहले बदला मीटर, फिर डरा-धमकाकर लिए दस्तखत

विद्युत मंडल के कर्मचारियों पर आरोप है कि उन्होंने बिना किसी पूर्व सूचना या लिखित नोटिस के गांवों में दबिश दी। जब भोले-भाले ग्रामीणों ने सही चल रहे पुराने मीटरों को बदलने का विरोध किया, तो उन्हें बड़े अधिकारियों और पुलिस की कार्रवाई का खौफ दिखाया गया। कानूनी कार्रवाई के डर से जब ग्रामीणों के मीटर बदल दिए गए, तो विभाग ने अपनी खाल बचाने के लिए एक और शर्मनाक पैंतरा चला—मीटर बदलने के बाद उपभोक्ताओं से सहमति पत्र पर जबरन हस्ताक्षर कराए गए। क्षेत्र की जनता अब यह सवाल पूछ रही है कि जब मीटर पहले ही तानाशाही से बदल दिया गया था, तो बाद में सहमति पत्र भरवाने का क्या औचित्य है? क्या यह सीधे तौर पर माननीय हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन्स का उल्लंघन और जनता के साथ धोखाधड़ी नहीं है?

उपभोक्ताओं ने की पुराने मीटर वापस लगाने की मांग!

फाईल फोटो

जून के बाद जुलाई में भी टूटी कमरः रीडिंग की रफ्तार से उड़े होश

बिजली विभाग की यह लूट केवल जून के महीने तक सीमित नहीं रही। अब जुलाई माह में आए बिजली बिलों में भी भारी बढ़ोतरी देखी जा रही है, जिससे उपभोक्ताओं की कमर पूरी तरह टूट चुकी है। नए स्मार्ट मीटरों की रफ्तार इतनी तेज है कि रीडिंग का कांटा बिजली की गति से भाग रहा है।

उपभोक्ताओं की मानें तो

जिन गरीब परिवारों की खपत पहले महज 50 से 100 यूनिट के अंदर होती थी, उनके घरों में सिर्फ 2-3 सीएफएल बल्ब और एक पंखा चलने पर भी बिल 1000 रुपये से लेकर 4800 रुपये तक आ रहा है। एक पीड़ित उपभोक्ता को 145 यूनिट का बिल 3500 रुपये और दूसरे को 200 यूनिट का बिल 5000 रुपये थमा दिया गया है। हद तो तब हो गई जब विभाग ने बिना किसी भौतिक सत्यापन के घर बैठे-बैठे ही कई उपभोक्ताओं का स्वीकृत लोड 1 किलोवाट से बढ़ाकर 2 और 3 किलोवाट कर दिया, ताकि फिक्स चार्ज के नाम पर और वसूली की जा सके। दिनभर पसीना बहाकर महज 200 रुपये की मजदूरी करने वाला परिवार आखिर 4000 से 5000 रुपये का बिजली बिल कहाँ से भरेगा? उपभोक्ता लगातार शिकायतों का पुलिंदा लेकर दफ्तर के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन अधिकारी जांच करने के बजाय उन्हें धमकाते हैं कि बिल तो भरना ही पड़ेगा!

मुख्यालय से गायब रहते हैं एई मुकेश मर्सकोले, अप-डाउन में फुक रहे हजारों रुपये

इस पूरी अव्यवस्था के केंद्र में कनिष्ठ अभियंता मंडल खैरा-पलारी के ए.ई. मुकेश मर्सकोले और उनके मातहत कर्मचारी हैं। मर्सकोले साहब के कामकाज के तरीके पर अब गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। नियमों को ताक पर रखकर साहब अपने तय मुख्यालय में रहते ही नहीं हैं। वे सिवनी से रोजाना लग्जरी फोर-व्हीलर गाड़ी से अप-डाउन करते हैं, जिसका रोजाना का ईंधन खर्च लगभग 1000 रुपये यानी महीने का 30,000 रुपये आता है। जनता के टैक्स के पैसे पर यह शाही खर्च क्यों किया जा रहा है? साहब की मनमर्जी का आलम यह है कि वे कब दफ्तर आते हैं और कब चले जाते हैं, किसी को नहीं पता। यहाँ तक कि वे आम उपभोक्ताओं और क्षेत्र के जन-प्रतिनिधियों तक का फोन उठाना मुनासिब नहीं समझते। विभाग में परमानेंट और ठेकेदारी पर रखे गए कुछ भ्रष्ट कर्मचारियों की साठगांठ ने पूरी व्यवस्था को सड़ा दिया है, जिनके घोटालों की लंबी फेहरिस्त बहुत जल्द सामने आने वाली है।

जनता का अल्टीमेटमः स्मार्ट मीटर हटाओ, पुराने मीटर वापस लाओ

खैरा-पलारी क्षेत्र की आक्रोशित जनता और ग्राम पंचायतों ने अब दो टूक लहजे में बिजली विभाग को चेतावनी दे दी है। उपभोक्ताओं की एकमात्र और प्रमुख मांग है कि इन फर्जी तरीके से तेज भागने वाले स्मार्ट मीटरों को तुरंत हटाया जाए और पुनः पुराने, सही चलने वाले मीटर स्थापित किए जाएं। यदि विभाग ने जल्द ही इस अवैध वसूली पर रोक लगाकर समस्या का स्थाई समाधान नहीं किया, तो पूरा क्षेत्र उग्र आंदोलन के लिए सडक पर उतरने को मजबूर होगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

रफ़्तार का कहरः इनोवा कार को ट्रक ने मारी पीछे से टक्कर, एक की हुई मौत

आदेगांव से सिवनी जा रहे थे ट्रेन पकड़ने कार सवार पोस्ट आफिस कर्मी युवक

हरिभूमि न्यूज ⏭ छपारा।

छपारा - 19 जुलाई को सुबह लगभग साढ़े सात बजे नगर से 6 किलोमीटर दूर ग्राम छपारा कलां और सादकसिवनी के बीच एन एच 44 फोरलेन सड़क पर पेट्रोल पंप के सामने आदेगांव से सिवनी हरियाणा जाने के लिए निकले रेल्वे स्टेशन तक छोड़ने जा रही एक इनोवा कार एक पीछे से आ रहे कंटेनर ट्रक ने टक्कर मारी दी जिससे कार का पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया वहीं कार में सवार कुल 5 युवकों में राहुल बुमवक पिता कुलदीप बुमवक (जाट) निवासी हिसार हरियाणा 21 वर्षीय युवक की मौत हो गई वहीं अजय जाट सहित अन्य तीन कार में सवार घायलों को जिला चिकित्सालय सिवनी रेफर किया गया जिन्हें छपारा 108 एंबुलेंस से पहुंचाया गया। वहीं कार सवार घायलों के साथियों ने बताया कि वह सब पोस्ट आफिस में पदस्थ कर्मी हैं और सिवनी रेल्वे स्टेशन पर 8 बजे वाली पाताल कोट ट्रेन के लिए जा रहे थे और यह अनहोनी घटना कारित हो गई। वहीं उक्त दुर्घटना में शामिल कंटेनर ट्रक मौके से फरार हो गया पूरे मामले पर छपारा पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

ग्राम पंचायत झिंझरई के सरपंच ओर सचिव की मिली भगत से पंचायत की राजस्व की चोरी हो रही है

मामला सिवनी जिले से 170 किलोमीटर सुदूर घंसौर विकाशखंड की झिंझरई पंचायत का हे जहां बिना निविदा के पुराना प्राथमिक शाला स्कूल की पिप, ईट,खपरे चोरी चोरी बेचे गए जिससे पंचायत की वित्तीय क्षति हुई वही बिना निविदा के बेचना नियम विरुद्ध हे वहीं इनकी मिली भगत से कुछ दबंग लोगों से पैसे लेकर सरकारी आरक्षित जमीन में अतिक्रमण कराया जा रहा हे जबकि पंचायत पदाधिकारी सचिव सरपंच की नैतिक जवाबदेही हे सरकारी जमीन को बचाना विकाश हेतु पर इनके द्वारा कोई कारवाही नहीं करना संदेह पैदा करता हे ग्रामीणों की मांग हे जांच कर कारवाही की जाए अनेक वित्तीय अनियमित सामने आएगी ग्रामीणों का जिला कलेक्टर महोदय ओर जिला सी ई ओ महोदय से निवेदन मांग करते है।

गड्ढों में तब्दील हुईं सारसडोल और खामी की सड़कें, जनसुनवाई भी बेअसर, क्या किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा प्रशासन?

सड़क सुधार कार्य नही हुआ तो होगा आंदोलन - अवनीश बिसेन

केवलारी / (सिवनी) विकास के दावों की हवा निकालती एक बेहद बदहाल तस्वीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ केवलारी।

केवलारी विकासखंड क्षेत्र से सामने आ रही है, जहां ग्राम पंचायत सारसडोल और खामी (गोरखपुर) की मुख्य सडक़ें अब सडक़ न रहकर 'यमराज को आमंत्रण' देने वाले जानलेवा गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं। आलम यह है कि पूरी सडक़ पर जगह-जगह घुटनों तक पानी भरा है और बड़े-बड़े कीचड़दार गड्ढे राहगीरों का इम्तिहान ले रहे हैं। गोरखपुर के ग्रामीण इस नारकीय जीवन से मुक्ति पाने के लिए जिला मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई का दरवाजा भी खटखटा चुके हैं, लेकिन वहां से भी सिवाय कोरे आश्वासनों के कुछ

हासिल नहीं हुआ। अधिकारी और जनप्रतिनिधि हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं।

स्कूली बच्चों का भविष्य और मरीजों की सांसें दांव पर

कीचड़ में सने नौनिहाल इस मार्ग से गुजरने वाले स्कूली छात्र-छात्राओं का पैदल चलना भी दूभर हो गया है। आए दिन बच्चे इन गड्ढों में गिरकर चोटिल हो रहे हैं और उनके कपड़े खराब हो रहे हैं। अस्पताल पहुंचना टेढ़ी खीर सबसे भयावह स्थिति तब होती है जब गांव में किसी की तबीयत अचानक बिगड़ जाए या किसी गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाना हो। गड्ढों से हिचकोले खाती गाडिय़ों में मरीजों की सांसें अटक जाती हैं। एंबुलेंस भी इस मार्ग पर आने से कतराती है।

ग्रामीणों की चेतावनी

सडक़ की इस दुर्दशा से आक्रोशित सारसडोल निवासी व अवनीश बिसेन का कहना है कि प्रशासन की यह घोर लापरवाही अब बर्दाश्त से बाहर है। यदि जल्द ही इस मार्ग का सुदृढ़ीकरण नहीं किया गया, तो ग्रामीण उग्र आंदोलन और चक्काजाम करने को मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी स्थानीय प्रशासन की होगी।

पांच दिन से लापता महिला का नहीं लगा सुराग, परिजन परेशान

इलाज कराने धनोरा जाने की कहकर निकली थीं सानिया बाई बघेल, पुलिस में गुमशुदगी दर्ज

विकासखंड धनौरा मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम जमुनापानी निवासी 58 वर्षीय सानिया बाई बघेल पिछले पांच दिनों से लापता हैं। महिला के अचानक लापता होने से परिजन चिंतित हैं और लगातार उनकी तलाश कर रहे हैं, लेकिन अब तक उनका कोई पता नहीं चल सका है।
जानकारी के अनुसार, सानिया बाई बघेल 14 जुलाई 2026 को घर से यह कहकर निकली थीं कि वह धनौरा अस्पताल इलाज कराने जा रही हैं। शाम तक उनके घर वापस नहीं लौटने पर पति ध्यानीदास बघेल

एवं परिवार के अन्य सदस्यों ने उनकी तलाश शुरू की। आसपास के गांवों और रिश्तेदारों से भी संपर्क किया गया, लेकिन महिला का कोई सुराग नहीं मिला।
परिजनों ने बताया कि सानिया बाई ने इलाज के बाद अपने मायके ग्राम बारागौर जाने की बात कही थी। हालांकि, जब बारागौर में रिश्तेदारों से संपर्क किया गया तो वहां भी उनके पहुंचने की पुष्टि नहीं हुई। इसके बाद परिवार की चिंता और बढ़ गई। महिला के पति ध्यानीदास बघेल ने बताया कि लगातार खोजबीन के बावजूद पत्नी का कोई पता नहीं चलने पर 16 जुलाई 2026 को धनौरा थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। इसके बाद से पुलिस भी महिला की तलाश में जुटी हुई है। परिजनों ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को सानिया बाई बघेल के संबंध में कोई जानकारी मिले तो तत्काल निकटतम पुलिस थाना या धनौरा पुलिस को सूचना दें, ताकि उन्हें सुरक्षित उनके परिवार तक पहुंचाया जा सके।

बंडोल पुलिस की त्वरित कार्रवाई

गुम नाबालिग बालिका को 2 माह में किया दस्तयाब

हरिभूमि न्यूज सिवनी। पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री दीपक मिश्रा एवं **SDOP** चंचलेश मरकाम के मार्गदर्शन में जिले में गुम नाबालिग बालक/बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना बंडोल पुलिस ने एक गुम नाबालिग बालिका को सकुशल दस्तयाब कर परिजनों को सौंपा है। दिनांक 03.05.2026 को एक प्रार्थी द्वारा थाना बंडोल उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनकी नाबालिग लड़की को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाया गया है। रिपोर्ट पर थाना बंडोल में अपराध क्रमांक 153/26 धारा 137(2) बी.एन.एस. का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। थाना प्रभारी बंडोल उप निरीक्षक श्री मनोज जंघेला के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा लगातार तकनीकी एवं मुखबिर तंत्र के माध्यम से बालिका की तलाश की जा रही थी। अथक प्रयासों के बाद गुम बालिका को सकुशल दस्तयाब किया गया। बालिका को विधिवत काउंसलिंग कर सकुशल उसके माता-पिता के सुपुर्द किया गया। परिजनों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त किया। इस सफल कार्रवाई में थाना प्रभारी उनि. मनोज जंघेला, सउनि. छोटेलाल कुलस्ते, कार्य. सउनि. शिवेन्द्र वसूले, प्र.आर. जयेन्द्र बघेल, म.आर. श्रीमती शानू नागरे, म.आर. श्रीमती रूकमणी डहेरिया की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक महोदय ने कहा कि जिले में गुम नाबालिगों की दस्तयाबी को प्राथमिकता दी जा रही है।

बारिश ने खोली नई सडक़ की पोल, जलभराव से दुकानों और घरों में घुसा पानी

सिवनी। जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर मुंगवानी में रविवार को हुई तेज बारिश ने नवनिर्मित सडक़ निर्माण की गुणवत्ता और जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। सडक़ पर पानी भरने से आसपास की कई दुकानों और मकानों में बारिश का पानी घुस गया, जिससे व्यापारियों और रहवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जलभराव के कारण आर.एस. कलेक्शन, आर.एस. ज्वेलर्स, राहुल किराना, बैस क्लॉथ स्टोर्स सहित अन्य दुकानों में पानी भर गया। कई दुकानों में रखा सामान भी भीग गया, जिससे व्यापारियों को आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। घरों में भी

पानी घुसने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि सडक़ निर्माण के दौरान जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं की गई। यही कारण है कि बारिश होते ही सडक़ तालाब में तब्दील हो जाती है और पानी आसपास की दुकानों व मकानों में घुस जाता है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते उचित नालियों और जल निकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो हर बारिश में यही स्थिति बनी रहेगी।इ स संबंध में जागरूक नागरिक नेमकुमार (गोलू) जैन, संजय सोनी, गोलू बैस, राहुल ठाकुर, अजय नामदेव, नीरज जैन सहित अन्य नागरिकों ने जिला कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों से स्थल का निरीक्षण कर जल निकासी की स्थायी व्यवस्था कराने और जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि भविष्य में आमजन, व्यापारियों और रहवासियों को इस समस्या से राहत मिल सके।

निर्माणाधीन ब्रिज का सेटिंग पिलर कार में गिरा

हरिभूमि न्यूज सिवनी। नगर के शंकराचार्य चौक से नागपुर रोड स्थित निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज के पास शनिवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब निर्माणाधीन ब्रिज का एक खड़ा सेटिंग पिलर अचानक गिर गया।सेटिंग पिलर की चपेट में वहां से गुजर रही कार क्रमांक क्रमांक एमपी 04 सीएस 9415 आ गई, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई और एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के दौरान मार्ग पर यातायात का दबाव बना हुआ था। लगातार हो रही बारिश के कारण सडक़ पहले से ही जर्जर और फिसलन भरी थी, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम पूर्ति तिवारी, तहसीलदार राधिका पाठक, आरआई अनिल मिश्रा एवं एसडीओपी चंचलेश मरकाम मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लिया और मशीन की सहायता से गिरे हुए पिलर को हटवाकर आवागमन सुचारु कराया।
प्रशासन ने निर्माण एजेंसी को जर्जर मार्ग पर तत्काल चूरी (गिट्टी) डलवाकर सडक़ की मरम्मत कराने तथा निर्माण कार्य के दौरान सभी आवश्यक सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश दिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटना की पुनरावृत्ति न हो। स्थानीय लोगों ने भी निर्माण कार्य में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और खराब सडक़ की जल्द मरम्मत कराने की मांग की है।

नपा अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया ने स्वच्छता को लेकर किया आव्हान , 7 वार्डों के पालक बने सामाजिक संगठन

सिवनी। नगर पालिका कार्यालय मानस भवन में नगर पालिका अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद सनोडिया जी की अध्यक्षता में दोपहर 12 बजे से नगर के विभिन्न सामाजिक संगठनों की बैठक बुलाई गई। बैठक का प्रमुख उद्देश्य ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 में वर्णित प्रावधानों को जमीनी स्तर पर लागू करते हुए नगरीय क्षेत्र में साफ-सफाई, स्वच्छता पर विशेष ध्यान देकर शहर को स्वच्छ, सुंदर बनाना है। इसके साथ ही नगर के सभी 24 वार्डों में समितियां बनाकर सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के उद्देश्य से इंजीनियर्स संघ, चैंबर ऑफ कॉमर्स ग्रुरप, मातृशक्ति संगठन, व्यापारिक संगठन, सकल जैन समाज, प्रस्फुटन समिति के साथ अलग-अलग समय पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद सनोडिया, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री दिशा डहेरिया, निकाय के पार्षदगण ने नगर की सफाई व्यवस्था में सुधार करने साथ ही स्वच्छता के लिये निकाय द्वारा क्या बेहतर प्रयास किया जा सकता है इसके संबंध में समस्त संगठनो के साथ बैठक करके उनके सुझाव लिये गये।

रोहित सक्सेना के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद का संगठन हुआ और मजबूत, जिला कार्यकारिणी का विस्तार

हरिभूमि न्यूज सिवनी। अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल, राष्ट्रीय महिला परिषद ओजस्विनी एवं अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद अधिवक्ता मंच की सिवनी जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए विभिन्न पदों पर नई नियुक्तियों की घोषणा की गई है। नवगठित कार्यकारिणी को संगठन विस्तार, सेवा कार्यों, 25 लाख घर संपर्क महाअभियान, श्री हनुमान चालीसा केंद्रों के संचालन तथा राष्ट्र जागरण के कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद, सिवनी की नवीन जिला कार्यकारिणी में राजकुमार रजक , अमन बघेल को जिला उपाध्यक्ष, विक्रम बघेल को जिला मंत्री, महेंद्र बघेल, रविन्द्र बघेल , अभिषेक बघेल को जिला सहमंत्री तथा शरद दूबे को जिला प्रचार-प्रसार प्रमुख नियुक्त किया गया है।
इसी प्रकार राष्ट्रीय बजरंग दल, सिवनी की जिला कार्यकारिणी में शुभम बघेल पवन अहिरवार जिला उपाध्यक्ष जिला मंत्री, सुजल बघेल, नरेश बघेल एवं संतोष सनोडिया ,

हर्षित बघेल को जिला सहमंत्री, सिद्धांत बघेल को जिला सह मंत्री तथा राकेश मालवीय को जिला प्रचार-प्रसार प्रमुख , केशव राय ब्लॉक उपाध्यक्ष धनोरा एवं बसंत यादव ब्लाक अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है।
राष्ट्रीय महिला परिषद ओजस्विनी, सिवनी की कार्यकारिणी में सीमा गढ़पायले को जिला अध्यक्ष, किरण सतसाई को जिला मंत्री तथा वर्षा डोंगरे को जिला सहमंत्री नियुक्त किया गया है।
वहीं अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद अधिवक्ता मंच, सिवनी की जिला कार्यकारिणी में श्रीराम बघेल को अध्यक्ष, आशीष सोलंकी को कार्य अध्यक्ष , आशा गौतम को उपाध्यक्ष, आशा मेश्राम को उपाध्यक्ष तथा मीता वड़ीवा को मंत्री बनाया गया है।
संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता संगठन की विचारधारा के अनुरूप समाज सेवा, राष्ट्र जागरण, सांस्कृतिक संरक्षण एवं सामाजिक समरसता के कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। आगामी 25 लाख घर संपर्क महाअभियान, श्री हनुमान चालीसा केंद्र स्थापना अभियान, सेवा प्रकल्पों एवं सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों को प्रत्येक गांव और नगर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।
इस अवसर पर इंडिया हेल्थ लाइन के राष्ट्रीय मंत्री बेटू चंदेल, एएचपी के प्रांतीय अध्यक्ष अभिषेक मालू , राष्ट्रीय

बजरंग दल के प्रांत कार्यकारी अध्यक्ष स्वराज सिंह बघेल, अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद की प्रांत कार्यकारी अध्यक्ष प्रीति धंधरिया, विंध्य क्षेत्र अध्यक्ष संजय त्रिपाठी, प्रांत महामंत्री अशोक सोनी, अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद सिवनी के जिला अध्यक्ष रोहित सक्सेना तथा जिला महामंत्री राजेश बघेल ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया।
जिला अध्यक्ष रोहित सक्सेना ने कहा कि संगठन का लक्ष्य प्रत्येक गांव और प्रत्येक परिवार तक पहुंचकर राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता, सेवा एवं सांस्कृतिक मूल्यों को सशक्त बनाना है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से संगठन द्वारा चलाए जा रहे अभियानों में पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने तथा अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोडने का आग्रह किया।
उन्होंने कहा कि जिला अध्यक्ष रोहित सक्सेना के अथक प्रयासों और सक्रिय नेतृत्व के कारण संगठन को जिले में नई मजबूती मिली है। उनके मार्गदर्शन में बड़ी संख्या में नए पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां देकर जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया गया है। इससे संगठन की कार्यक्षमता बढ़ेगी तथा सेवा, संगठन विस्तार और राष्ट्र जागरण के अभियान गांव-गांव और घर-घर तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेंगे।